

एनपीए की समस्या से नपिटने के लिये परियोजना 'सशक्त'

चर्चा में क्यों?

देश में सरकारी बैंकों की एनपीए की समस्या को दूर करने के लिये 'सशक्त' नामक एक समग्र नीति लागू करने की घोषणा की गई है। यह समग्र नीति सुनील मेहता की अध्यक्षता में गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर तैयार की गई है। 'सशक्त' योजना के अंतर्गत पाँच सूत्री फॉर्मूले को लागू किया जाएगा जिसकी सफ़ारिश मेहता समिति द्वारा की गई है। उल्लेखनीय है कलिंगभंग 200 बैंक खाते ऐसे हैं जिनमें फँसा करज़ 500 करोड़ रुपए से अधिक है।

परमुख बंदि

- 50 करोड़ तक की राशियों के लोन को SME रेज़ोल्यूशन अप्रोच के तहत लिया जाएगा और 90 दिनों के भीतर इसका नपिटारा किया जाएगा। समिति 90 दिनों के अंदर इन सभी खातों के बारे में फ़ैसला करेगी कइन्हें और अधिक ऋण देने की आवश्यकता है या बंद करने की।
- 50 करोड़ से 500 करोड़ रुपए तक के NPA खातों में फँसे करज़ के नपिटान का फ़ैसला अग्रणी बैंक की अगुवाई में लिया जाएगा।
- 500 करोड़ रुपए से अधिक की राशियों वाले अन्य NPA खातों का नपिटान यदि AMC के माध्यम से भी संभव न हो तो ऐसे खातों का नपिटान दवालयि कानून के तहत किया जाएगा।
- बैंक, वशिषजओं की एक समिति बनाकर प्रस्ताव तैयार करेगा और अगर वह इसे 180 दिनों के भीतर नहीं नपिता पाता है, तो इसका समाधान दवालयिपन कानून के तहत किया जाएगा।
- इस परियोजना को लागू करने के लिये बैंकों की एक स्क्रीनिंग समिति का गठन किया जाएगा जो इस बात की नगिरानी करेगी कतिय नयिमों का अनुपालन पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है कनिहीं।

AMC का होगा गठन

- 500 करोड़ रुपए से अधिक के फँसे ऋण के लिये एसेट मैनेजमेंट कंपनी (AMC) की स्थापना की जाएगी।
- AMC बैंकों द्वारा NPA घोषित किये हुए ऋण को खरीदेगा जिससे इस करज़ का भार बैंकों पर नहीं पड़ेगा।
- यह कंपनी पूरी तरह से स्वतंत्र होगी। इसमें सरकार का कोई दखल नहीं होगा।
- AMC सरकारी और प्राइवेट कर्षेत्रों के नविशकों से धन जुटाएगी।

सुनील मेहता समिति

- सुनील मेहता समिति का गठन जून 2018 में किया गया था जिसकी अध्यक्षता सुनील मेहता को सौंपी गई।
- इस समिति से 'बैड बैंक' की व्यावहारिकता परखने एवं संपत्ति पुनर्नरिमाण कंपनी के गठन के लिये सफ़ारिश दिये जाने हेतु कहा गया था।
- इस समिति में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के चेयरमैन रजनीश कुमार, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध नदिशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी एस जयकुमार तथा एसबीआई के उप प्रबंध नदिशक सी वेंकट नागेश्वर शामिल थे।